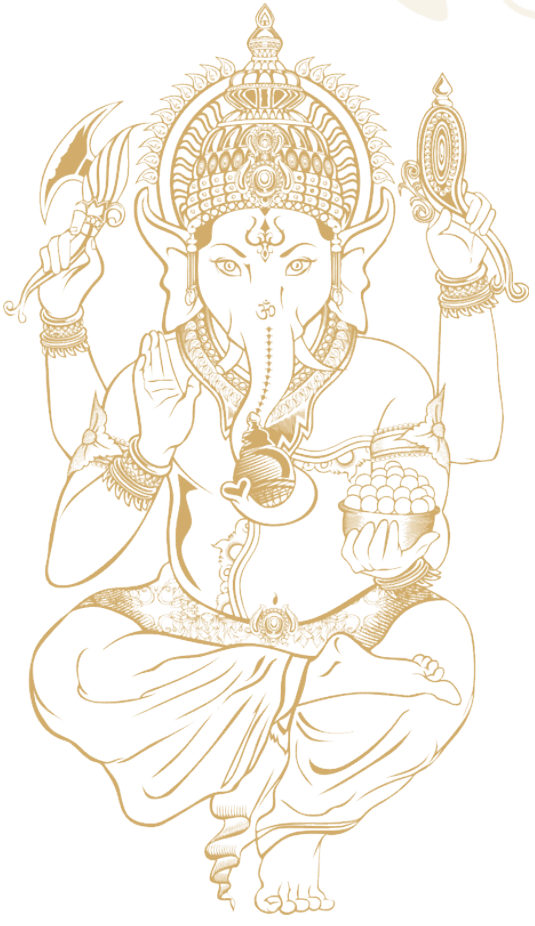

Pragya

Aman kumar

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121104909

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/02/2003	जन्म तिथि	25/01/1992
गुरुवार	दिन	शनिवार
घंटे 14:20:00	जन्म समय	14:30:00 घंटे
घटी 20:13:17	जन्म समय(घटी)	19:44:52 घटी
India	देश	India
Muzaffarpur	स्थान	Sahibganj
26:07:00 उत्तर	अक्षांश	25:15:00 उत्तर
85:23:00 पूर्व	रेखांश	87:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:32	स्थानिक संस्कार	00:20:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:41	सूर्योदय	06:25:34
17:48:14	सूर्यास्त	17:17:53
23:53:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:05

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 4मा 6दि	29:55:49	मिथु	लग्न	मिथु	04:44:52	**मंगल 5वर्ष 10मा 25दि**
राहु	14:26:37	कुंभ	सूर्य	मक	10:53:14	**गुरु**
05/07/2024	00:19:41	मक	चंद्र	कन्या	25:25:13	**21/12/2015**
06/07/2042	02:34:45	धनु	मंगल	धनु	18:10:26	**21/12/2031**
राहु 18/03/2027	26:49:12	मक	बुध	धनु	29:03:54	गुरु 07/02/2018
गुरु 11/08/2029	16:07:27	कर्क व	गुरु व	सिंह	19:50:45	शनि 21/08/2020
शनि 17/06/2032	02:23:23	मक	शुक्र	धनु	06:20:20	बुध 27/11/2022
बुध 04/01/2035	28:15:43	वृष	शनि	मक	14:56:36	केतु 02/11/2023
केतु 23/01/2036	10:00:55	वृष व	राहु व	धनु	15:49:58	शुक्र 03/07/2026
शुक्र 22/01/2039	10:00:55	वृश्चि व	केतु व	मिथु	15:49:58	सूर्य 22/04/2027
सूर्य 17/12/2039	05:27:19	कुंभ	हर्ष	धनु	21:22:04	चन्द्र 21/08/2028
चन्द्र 17/06/2041	17:46:39	मक	नेप	धनु	23:22:52	मंगल 28/07/2029
मंगल 06/07/2042	25:53:44	वृश्चि	प्लूटो	तुला	28:55:45	राहु 21/12/2031

लग्न-चलित

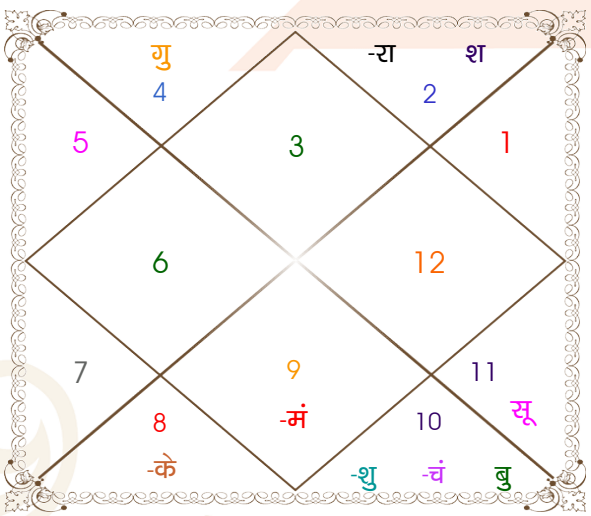

लग्न-चलित

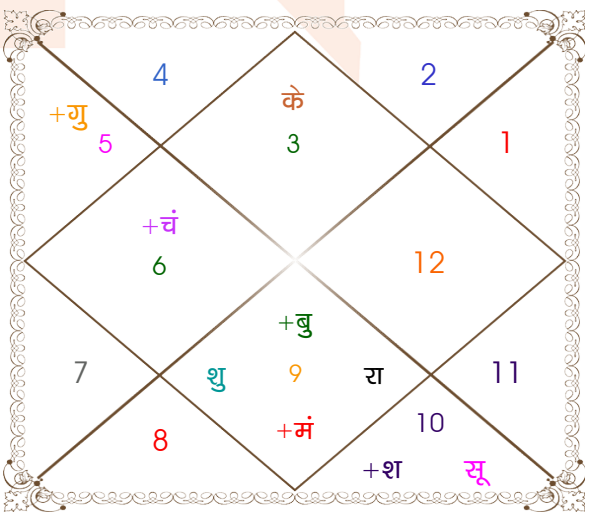

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

च्तंहलं का वर्ग मूषक है तथा ।उंद ानउंत का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्तंहलं और ।उंद ानउंत का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तंहलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

।उंद ानउंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ।उंद ानउंत कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि ।उंद ।नउंत कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु ।उंद ।नउंत कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

च्तंहलं तथा ।उंद ।नउंत में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।